

क्राउड आई डेविइस

चर्चा में क्यों?

हाल ही में [भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान \(IIT\) रुड़की](#) ने [चार धाम तीर्थयात्रियों](#) की बढ़ती संख्या को नियंत्रित करने के लिये 'क्राउड आई डेविइस' विकसित की है, जो भीड़ बढ़ने से पहले अलर्ट भेजती है।

- प्रयोगिक तौर पर [यमुनोत्री](#) में पहली क्राउड आई डेविइस लगाने की तैयारी की जा रही है।

मुख्य बडि:

- यह उपकरण धार्मिक स्थलों पर भीड़ को नियंत्रित करने के लिये वास्तविक समय पर नगिरानी रखने हेतु बनाया गया है।
- यमुनोत्री में स्थानीय स्तर पर विकसित 'क्राउड आई' उपकरण स्थापित करने के लिये देहरादून स्थित [उत्तराखंड राज्य वजिज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद \(UCOST\)](#) को वित्त पोषण हेतु अनुरोध प्रस्तुत किया गया है।
- बजट स्वीकृति के बाद यह परियोजना शुरू होगी, जिसकी उत्पादन लागत 60 से 70 हजार रुपए अनुमानित है। इस तकनीक को [पेटेंट](#) कराने के भी प्रयास किये जा रहे हैं।
- भावी अपडेट का उद्देश्य भीड़ की गणना में पुरुष और महिला डेटा के बीच अंतर करना है।
- हरदिवार में दीनदयाल उपाध्याय और पंतद्वीप पार्कगि कषेत्रों में सर्वेक्षण के माध्यम से तीर्थयात्रा सीजन के दौरान यातायात की भीड़ की समस्या का समाधान किया जा रहा है।

चार धाम यात्रा

- यमुनोत्री धाम:**
 - स्थान: उत्तरकाशी ज़िला।
 - समर्पति: देवी यमुना।
 - गंगा नदी के बाद यमुना नदी भारत की दूसरी सबसे पवित्र नदी है।
- गंगोत्री धाम:**
 - स्थान: उत्तरकाशी ज़िला।
 - समर्पति: देवी गंगा।
 - सभी भारतीय नदियों में सबसे पवित्र मानी जाती है।
- केदारनाथ धाम:**
 - स्थान: रुद्रप्रयाग ज़िला।
 - समर्पति: भगवान शिव।
 - मंदाकनी नदी के तट पर स्थित है।
 - भारत में 12 ज्योतिर्लिंगों (भगवान शिव के दैव्य प्रतिनिधित्व) में से एक।
- बद्रीनाथ धाम:**
 - स्थान: चमोली ज़िला।
 - पवित्र बद्रीनारायण मंदिर का स्थान।
 - समर्पति: भगवान वशिष्ठ।
 - वैष्णवों के पवित्र तीर्थस्थलों में से एक।

